2013

HINDI

(Major)

Paper : 4.1

(Chhayavad-Purv Evam Chhayavadyugin Kavyadharayen)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पठित पाठ के आधार पर पूर्ण वाक्य में जवाब दीजिए : 1×10=10

(क) 'जूही की कली' का प्रकाशन काल लिखिए। 1916

(ख) निराला जी का निधन कब हुआ था? 1961

(ग) पन्त को 'पद्मभूषण' की उपाधि कब मिली थी? 1961

(घ) बाल्यकाल में पन्त जी का क्या नाम था? गुसाईं दत्त

(ङ) महादेवी वर्मा के पिताजी का नाम लिखिए। गोविन्द प्रसाद

(च) महादेवी वर्मा कहाँ की कुलपति थीं?

(छ) किस ग्राम में दिनकर जी का जन्म हुआ था?

(ज) 'मधुकलश' के कवि कौन हैं?

(झ) 'नीम के पत्ते' किनकी रचना है?

(ञ) भारतेन्दु की एक काव्य-कृति का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित के संक्षेप में जवाब दीजिए : 2×5=10

(क) 'जागरण गीत' से आप क्या समझते हैं?

(ख) "काल का अकरुण भृकुटि-विलास,
तुम्हारा ही परिहास।"
—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' कविता का मूल स्वर क्या है?

(घ) 'मेरे भारत के दिव्य भाल' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ङ) भारतेन्दु की कविताओं की दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के जवाब दीजिए : 5×4=20

(क) रामस्वरूप चतुर्वेदी ने 'सरोज-स्मृति' को 'राम की शक्ति पूजा' की पूरक कृति के रूप में क्यों स्वीकार किया है?

(ख) 'नौका-विहार' में प्रकृति का चित्रण किस प्रकार से हुआ है, लिखिए।

(ग) "यह मन्दिर का दीप, इसे नीरव जलने दो!" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'नारी' में शृंगार रस का परिपाक किस रूप में हुआ है?

(ङ) महादेवी की वेदना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(च) हरिवंशराय बच्चन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!

अथवा

सुख सिंधु, पंचनद ब्रह्मपुत्र
गंगा-यमुना की अमिय धार
जिस पुण्य भूमि की ओर बही
तेरी विगलित करुणा उदार।

(ख) हाय री दुर्बल भ्रांति!
कहाँ नश्वर जगती में शान्ति?
सृष्टि ही का तात्पर्य अशांति!
जगत् अविरत जीवन-संग्राम,
स्वप्न है यहाँ विराम!

अथवा

नींद थी मेरी अचल निस्पन्द कण-कण में
प्रथम जागृति थी जगत् के प्रथम स्पन्दन में,
प्रलय में मेरा पता पद-चिह्न जीवन में
शाप हूँ जो बन गया वरदान बंधन में,
कूल भी हूँ, कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ।

5. निम्नलिखित के जवाब दीजिए : 12×2=24

(क) "'सरोज-स्मृति' हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ शोक-गीत है।" सतर्क जवाब दीजिए।

अथवा

'परिवर्तन' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र **अथवा** अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की साहित्यिक प्रतिभा पर विचार कीजिए।

★★★